IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 5, June 2023

महाराष्ट्र में राजनीतिक परिवर्तन गठबन्धन राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में

डॉ. (श्रीमती) अनुराधा जैन
शोध निर्देशिका
प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, शास. कन्या महाविद्यालय, सतना, (म.प्र.)
रामप्यारी सिंह
शोधार्थी
शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना, (म.प्र.)

सारांशः महाराष्ट्र राजनीतिक संकट 21 जून 2022 को भारतीय राज्य महाराष्ट्र में शुरू हुआ, जब शिवसेना के एक वरिष्ठ नेता, एकनाथ शिंदे, महाविकास अघाड़ी गठबंधन के कई अन्य विधायकों के साथ भाजपा शासित गुजरात से सूरत चले गए। समूह बाद में एक अन्य भाजपा शासित राज्य असम में गुवाहाटी चला गया। शिवसेना नेता संजय राउत ने भाजपा पर शिवसेना के भीतर विद्रोह करने और मविअ गठबंधन सरकार को गिराने का प्रयास करने का आरोप लगाया। 29 जून 2022 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, उद्धव ठाकरे ने 29 जून 2022 को अविश्वास प्रस्ताव से पहले सोशल मीडिया पर लाइव संबोधित करते हुए अपने पद से और साथ ही एक एम.एल.सी. सदस्य से इस्तीफा दे दिया। ठाकरे के इस्तीफे ने फ्लोर टेस्ट को रद्द कर दिया, जिसमें शिंद ने मुख्यमंत्री के रूप में सरकार और 30 जून को देवेन्द्र फडजवीस के रूप में उपमुख्यमंत्री के रूप में सरकार की हिस्सेदारी ली। 10 जून 2022 को पार्टी में अंदरूनी कलह पहली बार उजागर हुई जब भाजपा ने राज्यसभा चुनाव में 6 में से 3 सीटें जीती, 20 जून 2022 को महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए जाने वाली 10 सीटों में से शिवसेना और उसके सहयोगियों को 6 सीटें जीतने की उम्मीद थी, हालाँकि उन्होंने केवल 5 सीटें जीती। बी.जे.पी. ने अन्य 5 सीटों पर कथित तौर पर शिवसेना के कई सदस्यों द्वारा क्रौस वोटिंग के कारण जीत हासिल की। 30 जून को शिंदे और फडजवीस ने सरकार बनाने का दावा पेश किया और एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री घोषित किया गया। क्रमशः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और अगले उप–मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

मुख्य शब्दः महाराष्ट्र, राजनीतिक, परिवर्तन, गठबन्धन, , परिप्रेक्ष्य, राज्यसभा आदि।

प्रस्तावनाः

2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना ने गठबंधन महायुति के तहत संयुक्त रूप से चुनाव लड़ा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने महा अघाड़ी गठबंधन के तहत लड़ाई लड़ी। बीजेपी ने 105 सीटों पर जीत हासिल की, शिवसेना ने 56 सीटों पर जीत हासिल की, एन.सी.पी. ने 54 सीटों पर और कांग्रेस ने 44 सीटों पर जीत हासिल की। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद सत्ता के बंटवारे को लेकर शिवसेना और बी.जे.पी. के बीच मतभेद पैदा हो गए, शिवसेना ने सत्ता में समान हिस्सेदारी की मांग की जिस पर कथित तौर पर भाजपा ने सहमति व्यक्त की, शिवसेना ने कथित 50–50 समझौते के तहत 2.5 साल के लिए मुख्यमंत्री पद की भांग की थी। बी.जे.पी. के मौजूदा सीएम देवेन्द्र फडजवीस ने इस तहत के किसी भी फार्मूले पर सहमति होने से इन्कार किया। भाजपा ने अंततः अपने सबसे पुराने सहयोगी शिवसेना में से एक के साथ संबंध तोड़ लिया। शिवसेना ने तब भाजपा को सरकार बनाने के लिए समर्थन देने से इन्कार कर दिया था। 2019 का महाराष्ट्र राजनीतिक संकट शुरू हुआ। आखिरकार शिवसेना कांग्रेस और राकांपा के महाविकास अघाड़ी गठबंधन बनाने के लिए 154 सीटों की संयुक्त सीट की गणना की, जहाँ बहुमत के लिए 145 सीटों की आवश्यकता थी। एम.वी.ए. गठबंधन ने मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में सरकार बनाने का फैसला किया। एकनाथ शिंदे महाविकास अघाड़ी को तोड़ने और भाजपा शिवसेना गठबंधन को फिर से स्थापित करने के पक्ष में थें। उन्होंने उद्धव ठाकरे से गठबंधन तोड़ने का अनुरोध किया और उनके अनुरोध को कई मौको पर नजरअंदाज कर दिया गया उन्होंने अपने अनुरोध का समर्थन करने के लिए अपनी पार्टी 2/3 सदस्यों को इकट्ठा किया और 2022 में महाराष्ट्र राजनीतिक संकट शुरू हो गया।

शिव सेना नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री एकनाथ शिंदे बगावत कर चुके हैं। साथ ही ऐसा दावा कर रहे हैं कि उनके साथ 40 विधायकों का समर्थन है। पार्टी में बगावत के बीच बुधवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी सामने आए उन्होंने खुलकर कहा कि उन्हें कुर्सी का कोई मोह नहीं है और त्याग पत्र तैयार है। उद्धव ने कहा कि किसी विधायक ने उनका विरोध किया तो वह इस्तीफा दे देंगे इस बीच उन्होंने मुख्यमंत्री का सरकारी आवास भी खाली कर दिया और अपने पैतृक घर

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 5, June 2023

मातोश्री चले गएं। शिव सेना सांसद संजय साफ–साफ कह रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा हम सत्ता में नहीं होंगे। साथ ही राउत एक ट्वीट कर ऐसे संकेत दे रहे हैं कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे राज्यपाल भगत सिंह को 2 पारी से विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर सकते हैं। राउत ने कहा हैं। महाराष्ट्र का मौजूदा राजनीतिक धनाक्रम राज्य को विधानसभा भंग करने की ओर ले जा रहा है। फिलहाल महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और राज्यपाल दोनों ही कोरोना संक्रमित हैं। राज्यपाल को दक्षिण मुम्बई के लायंस के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

संविधान विशेषज्ञ सुभाष कश्यप कहते हैं राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में शिव सेना के 55 राष्ट्रवादी काग्रेंस पार्टी एन.सी.पी. 53 और कांग्रेस के 44 विधान हैं। बी.जे.पी. के पास कुल 106 विधायक है। साथ में महाविकास की घड़ी के कुल 169 विधायकों का समर्थन हैं। सरकार के लिए 144 विधायकों का समर्थन जरूरी है।

उद्देश्य:

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य महाराष्ट्र में राजनीतिक परिवर्तन व गठबंधन राजनीति के अध्ययन में:–

1. महाराष्ट्र में बी.जे.पी. की रणनीति और शिवसेना में बगावत की कहानी।
2. दल–बदल विरोधी कानून के तहत प्रावधान
3. एकनाथ शिंदे की शिवसेना से नाराजगी के कारण क्या है।
4. नवीनतराणा उद्वेव ठाकरे को चुनौती देने वाली सांसद कौन है।

शोध प्रविधि:

प्रस्तुत शोध पत्र की प्रकृति सैद्धांतिक एवं अनुभाविक दोनों ही है। अतः यथा संभव तथा संकलन के प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही स्रोतों का प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण:

महाराष्ट्र राजनीति में चल रहे मंथन से अगले बी.एस.सी. चुनावों के भी प्रभावित होने की अपेक्षा है। बी.एम.सी. जो देश का सबसे धनी नगर निकाय है बरसों से शिवसेना का गढ़ रहा है और बी.जे.पी. उस पर निगाहें जमाए हुए है।

हालाँकि ये देखना अभी बाकी है कि एन.सी.पी. एक ऐसी पार्टी जिसका बी.एम.सी. चुनावों में कोई खास असर नहीं है। आगे क्या करेगी लेकिन कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उन्हें अकेले चुनाव लड़ने के अपने फैसले पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा हमने बी.एम.सी. अकेले लड़ने का फैसला इसलिए किया था क्योंकि नगर की 220 में से करीब 150 सीटों पर शिवसेना और कांग्रेस के बीच सीधा टक्कर है। बी.जे.पी. 2014 के बाद ही बी.एम.सी. में अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकी थी। लेकिन उस फैसले पर अब फिर से विचार हो सकता है क्योंकि सेना के मुम्बई के विधायक भी एकनाथ शिंदे के साथ चले गए हैं। पदाधिकारी ने कहा काफी कुछ इस पर निर्भर करेगा कि उद्धव ठाकरे अब अपनी पार्टी को कैसे संभालते हैं।

निष्कर्ष:

1. शिवसेना नेताओं की बन्द कमरे में शरद पावर से मुलाकात हुई।
2. शिवसेना ने अपनी चिन्ता तो जताई और साथ ही बी.जे.पी. को सत्ता से बाहर रखने के लिए कुर्बानी देने का ऑफर दिया।
3. शिवसेना ने अपने तरफ से कहा है कि वह अपनी पाँच साल का मुख्यमंत्री पद की मांग छोड़ने को तैयार है।
4. अगर शरद पवार चाहे और कांग्रेस को मंजूर हो तो उसे अजीत पवार को ढ़ाई साल के लिए सी.एम. बनाने पर कोई ऐतराज नहीं है।
5. जब मंत्री एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना के 25 से अधिक था।
6. जनता पार्टी महाराष्ट्र में राजनीतिक घटनाक्रम थी।
7. अगले कदम से पहले हमें महाराष्ट्र में अब समंदर बनकर लौटेंगे।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 5, June 2023

संदर्भ स्रोतः

1. चांदोरक, आशीष, मैन ऑन मिशन, महाराष्ट्र 2022, पृ. 02
2. दत्तात्रेय, अशोक, चौधरी महाराष्ट्र अधिनियम, लॉ पब्लिशर्स जलगांव–पुणे 2023, पृ. 06
3. पवार, ओम प्रकाश, गठबंधन सरकारें एवं राष्ट्रपति की भूमिका, 2023, पृ. 10
4. जेवने, डॉ. दीपक हनुमंतराव, महाराष्ट्र राजनीति, 2023, पृ. 15
5. गाठाल, डॉ. एस.एस., आधुनिक महाराष्ट्र इतिहास, 2023, पृ. 20